प्रमाण-पत्र

भूमिका

अध्याय : १ राजस्थानी और गुजराती लोकगीतों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि :

» संस्कृति-अर्थ-परिभाषा

» संस्कृति का स्वरूप

» राजस्थानी संस्कृति की विशेषताएँ

* धर्म व दर्शन

* मेले, उत्सव, त्यौहार एवं ब्रत

* पशु-मेले

* रीति-रिवाज

* रहन-सहन

* खान-पान

* वेशभूषा (परिधान)

* मनोरंजन

* राजस्थानी कला परंपरा

* राजस्थान की लोक-संस्कृति

» गुजरात की संस्कृति

* गुजरात की भौगोलिक परिस्थिति

* गुजरात की प्राचीन संस्कृति

* मध्यकालीन गुजरात

* अर्वाचीन गुजरात

(1)
गुजराती संस्कृति की विशेषताएँ

* धार्मिक भावना
* गुजरात का लोकजीवन
* वस्त्राभूषण
* पर्व और त्यौहार
* गुजरात के लोक-मेलें और उत्सव
* गुजरात की कला
* गुजरात की लोक-संस्कृति

अध्याय : २

राजस्थानी लोकगीतों का परिचय

* लोकगीत - स्वरूप
* लोकगीत की परिभाषा
* लोकगीत की सामान्य विशेषताएँ
* लोकगीत का उद्भव एवं विकास
* राजस्थानी लोकगीतों का महत्व
* लोकगीतों के वर्गीकरण की प्रकृति

राजस्थानी लोकगीतों का वर्गीकरण :

(१) राजस्थानी धार्मिक लोकगीत

(अ) संस्कार सम्बन्धी गीत
(क) गर्भावस्था के गीत
- नारंगी
(ख) जच्चा
पीपली
(ग) सूरज-पूजा
सूरज-पूजा - २
(घ) जलवा का गीत
(ड) वज्झोपवीत
(च) विवाह-सम्बन्धी लोकगीत
  (१) विनायक
  (२) माघरा का गीत
  (३) विनोलो
  (४) कस्तुरी
  (५) सेवरो
  (६) घोडो
  (७) फेरा
  (८) पेसारो
  (९) बनी
(आ) देवी-देवता सम्बन्धी गीत
  (१) भेसूजी
  (२) गंगाजी
  (३) भोमिया
  (४) रामदेवजी
  (५) तेजाजी
(इ) ब्रत सम्बन्धी लोकगीत
  (क) गणगोर
  (ख) चौथ
(१) जोगीडा गीत
(२) रातिजगा सम्बन्धी लोकगीत
(१) दीपक का गीत
(२) पूर्वज के गीत
(३) पूर्वजो की गृहवीरता का गीत
(४) कूकडा

(२) राजस्थानी मनोरंजनात्मक लोकगीत
(अ) गणगोर के राजस्थानी लोकगीत
(आ) तीज के लोकगीत
(इ) दीपावली के लोकगीत
(ई) होली सम्बन्धी लोकगीत
(१) घूमर
(२) कूण मारी पिचकारी
(उ) सीकार सम्बन्धी लोकगीत
(१) सुआरिया
(ऊ) उहात सम्बन्धी गीत

अध्याय : ३

➤ गुजराती लोकगीतों का परिचय
* गुजरात और लोकसंस्कृति
* गुजराती लोक साहित्य का परिचय
* गुजराती लोक- साहित्य
* गुजराती लोकसाहित्य की विशेषताएँ
* गुजराती लोकगीतों का वर्गीकरण

1) बालगीत
2) गोरमा के गीत
3) विवाह गीत
4) रंगले के गीत
5) तुलसी विवाह के गीत
6) उत्सव मेले आदि के गीत

* होली के गीत
* होली जलाते चक्कर या उसका संबोधन करके गाये जाने वाले गीत
* घैर के गीत
* मेले के गीत

7) मृत्यु गीत
8) अशुरुगीत

अध्याय - ४

> राजस्थानी लोकगीतों की भाषा-शैली

√ राजस्थानी लोकसाहित्य का परिचय
√ राजस्थानी भाषा

- वेदिक संस्कृत
- भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण
- मूल भाषा संस्कृत
- राजस्थानी भाषा के रूप ग्रहण के छःआवश्यक तत्त्व

1) निरंजन भू-भाग
2) जन संख्या
3) साहित्य भंडार
4) व्याकरण
5) शब्दकोष
6) लिपि

➤ राजस्थानी भाषा की वैयाकरणिक विशेषताएँ

➤ वर्ण परीमति
➤ ध्वन्यात्मक शब्दों का प्रयोग
➤ 'ठ' वर्ण का विशेष प्रयोग
➤ स्वर-व्यंजन लोप
➤ द्वन्द्री 'स' का प्रयोग
➤ 'त्र' का स्वतंत्र प्रयोग नहीं
➤ 'न' कारान्तक शब्दों का घोषकारान्तक प्रयोग
➤ रूप भेद
➤ उच्चारण सम्बन्धी विशेषताएँ
➤ 'ब' की विशेष ध्वनि
➤ अनुनासिकता
➤ भाषा, विभाषा, बोली, उपबोली
➤ राजस्थानी भाषा का मानक स्वरूप

➤ राजस्थानी लोकगीतों की भाषा-शैली की विशेषताएँ

➤ सहज और अकृतिम भाषा
➤ कोमलता और कांटता
� गुजराती लेखकों की भाषा-शैली

* गुजराती भाषा का व्याप्त क्षेत्र
* गुजरात नामकरण
* गुजरात की भाषा के लिए गुजराती शब्द का प्रयोग
* गुजराती भाषा बोलने वाले प्रदेशों की उच्चारण की लक्षणिकता
* गुजराती लेखकों की भाषा-शैली की विशेषताएँ
  ♦ लेखभाषा
  ♦ अक्षरिम सुव्यूप सक्षिप्त सचोटता
  ♦ विशिष्ट भाषा मरोड और रूढ शब्द प्रयोग
  ♦ मधुर रंगता
  ♦ प्रवाहिता
  ♦ सहजता एवं अक्षरिमता
  ♦ नाम जोडने की प्रवृत्ति
  ♦ प्रश्नोत्तर प्रवृत्ति
संख्या परक शब्दों का प्रयोग
पुनरावृत्ति
अचूकता

अध्याय - 6

राजस्थानी और गुजराती लोकगीतों की भाषा-शैली का तुलनात्मक अध्ययन:

- भाषा-शैली का एक दूसरे से सम्बन्ध
- राजस्थानी और गुजराती लोकगीतों की भाषा-शैली
  - लोकभाषा
  - सहज और अक्षुन्मत
  - कोमलता और क्षमता
  - मुहावरों और कहावतों से पूर्ण होना
  - भावव्यंजना
  - विशिष्ट भाषा मरोड़ और रूढ़ शब्दों का प्रयोग
  - मधुर गेरता
  - संख्यापरक शब्दों का प्रयोग
  - परिचित वस्तुओं का प्रयोग
  - पुनरावृत्ति या टेक
  - प्रवाहिता
  - कर्णकटु शब्दों का अभाव

(8)
उपसंहारः

परिशिष्ट

* आधार ग्रंथ
* सहायक संदर्भ ग्रंथ
* पत्र - पत्रिकेः